

श्री अतोक गारुडी।
मृगवत् पापित्
पूर्वे पुरेषं प्राप्तवत् ।

लेखा ५

प्राप्ति,
कृद्विष्टं पापयमिक विष्टु परिषद्
प्रिष्टि विष्टु २ समुदाय कृद्व
प्रिष्टि, पिष्टार विष्टु दिल्ली ।

प्र० १७। गनुगाम

लग्नः दिनांकः

मित्राघ्यर, १९३५

प्रिष्टि:- ऐप्पी० श्वासेगी गणाना रोड गेरठ क्षे तीर्थी० अस्तु नई दिल्ली से
सम्बन्धित हुए ज्ञापनित प्राप्तिपद्धि दिष्ट जानकौ० तथापि नई दिल्ली से

गटोद्य,

उपर्युक्त प्रिष्टिपद्धि पर युक्ते पहुँचे का विषेश हुआ है कि ऐप्पी० श्वासेगी
गणाना रोड, गेरठ को सी०शी०शाह०८८० विष्टु दिल्ली से सम्बन्धित प्राप्ति
राज्य सरकार को विष्टु विष्टु प्रिष्टिपद्धि के अधीन आपसि गढ़ा है ।

११। प्रिष्टिपद्धि की वजी॒ वृत्त तोताडटी का समय समाप्त पर विष्टु विष्टु करारा
जाएगा ।

१२। विद्यालय की पुबन्ध तमिति में विद्या विषेशक द्वारा वापिस एक सदरा
होगा ।

१३। प्रिष्टिपद्धि में कम से कम द्वा प्रतिलिपि स्थान अनुवू प्रिति वापि० अनुवू प्रिति
ज्ञापनिति के बच्चों के लिए हुरपिता रखे जाएं उनसे उत्तार पुष्टेश प्राप्तिपद्धि
विद्या परिषद् द्वारा तीव्रातित प्रिष्टिपद्धि में प्रिष्टिपद्धि वक्षागों के लिए
विधारित शुल्क से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा ।

१४। संस्था द्वारा राज्य सरकार ने एकी० गनुदान की गाँग नहीं जी० जापेगी
जोर पटि पूर्व में विद्यालय प्राप्तिपद्धि विष्टा परिषद् ने वित्तिक विष्टा
परिषद्/कोशिल फार द्वि॒ द्विक्षेत्र द्वारा गाँग नहीं लिया इसका विष्टा विष्टा
दिल्ली से प्राप्त दोस्ती है जो उस प्राप्ति परिषद् से सम्बन्धित प्राप्ति
दोने की विष्टि से परिषद् से गाँग नहीं राज्य सरकार ने गनुदान
स्थापित हो जाएगी ।

१५। हंस्या वैधिक एवं विधेतात्मक क्रमिकारियों को राज्यीय वहेपदार प्राप्ति
विधेय संस्थागों के क्रमिकारियों को अनुग्रन्थ प्रेतामानों पर्याय जन्य गत्ती
ने 'कम प्रेतामान तथा जन्य भवते नहीं' दिये जाएगे ।

१६। क्रमिकारियों की लेषा इति बनायी जाएगी जोर उन्हें वहापदा प्राप्ति
विधेयताकी उच्चतर प्राप्तिपद्धि विद्यालयों के क्रमिकारियों की अनुग्रन्थ विष्टि
विष्टु विष्टि का ताता उपत्तिपद्धि लेषा जाएगे ।

.... 2

For Jai Prakash Educational Trust Society


Secretary / Treasurer

CTC

Shivaji
PRINCIPAL
J. P. ACADEMY
P. O. Rajpura, Mawana Road
MEERUT - 250 001

१७। राज्य तरकार द्वारा कल समय पर जो भी ग्रामीण निवासी बोले जाएगे, वैसा ही काव्य पाठ्यन करेंगी ।

१०१: विद्युत्प्रवाह का विकास विद्युति प्रवाह विकासी ॥ रथा लाखेगा ।

१९१ उपर्युक्तों में राज्य सरकार के प्रमाणिकों का कोई परिवर्तन संशोधन या परिवर्तन नहीं किया जाएगा ।

2-¹ ... प्रातिवन्ध पडे गी दोगा कि तीर्थी द्वारा पडे हुए शब्दों का जाग नि-
चिद्यालय द्वारा लिया जा रहा जिन्होंने शूलक ऐसल्य अन्य सामर्त्योंपर तीरथागी तो
‘गुणिक नहीं’ है तथा घटमान घटभिक शूलक कम कर दिया गया है ।

३- उक्ता पुंतिबन्धों का पालन करना तंस्था के लिए अनिपार्य दोगा और यहाँ जिसी समय पहुँच पाया जाता है फिर तंस्था द्वारा उवा पुंतिबन्धों का पालन नहीं किया जा सकता है जिसी प्रकार की युक्ति प्रियतां बरती जा रही है तो राज्य सरकार द्वारा पुलिस अधिकारी युगांडा पर वापर में लिया जायेगा ।

ଗାନ୍ଧିଯ.

પૂર્ણ 306 ||| 1/15-7-1995 તાદાનિના

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सुननार्थ एवं आचरणक कार्यधारी हैं प्रेषित :-

- 1- शिधा निटेंग, उत्तार पुणे, नवनाम ।
 - 2- मण्डलीय उप शिक्षा निषेठ केरठ ।
 - 3- जिला पिटपानप निरीक्षक, केरठ ।
 - 4- निरीक्षक, गांगल भारतीय पिटपानप उत्तार पुणे, नवनाम ।
 - 5- प्रबन्धक, जेपी० स्काडेमी म्हाना रोड, केरठ ।

三

ପ୍ରକାଶ ଗାଁଗୁଣିତ
ରୂପରେ ସହିତ ।

For Jai Prakash Educational Trust Society

CTC

J. G. Gould
Secretary / Treasurer

**PRINCIPAL
J. P. ACADEMY**

P. O. Rajpura, Mawana Road
MEERUT - 250 001